टीचर का रोल मदर प्ले करें, 2 से 3 घंटे बैठाकर रेगुलर स्टडी करवाएँ

एक्सपर्ट का कहना स्कूल बंद हैं ऐसे में सिटिंग हैबिट बनाए रखने बच्चों के साथ बैठकर पढ़ाई करवाएँ, हर एक घंटा एक विषय को दें, हफ्ते में एक बार टेस्ट लें और स्वयं कॉपी चैक करें

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर| एग्जाम में अच्छे नंबर लाने अच्छी हैंडराइटिंग और स्पीड का होना जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे वर्तमान में कम से कम 3 घंटे घर में एक जगह बैठकर पढ़ाई करें। पेरेंट्स को चाहिए कि वे इस समय बच्चों के साथ बैठकर पढ़ाई करवाएँ। ऐसे में बच्चों की लगातार बैठने और लिखने की आदत वैसी ही रहेगी, जैसी स्कूल टाइम में हुआ करती थी। बच्चों की सिटिंग हैबिट के संबंध में मनोविशेषज्ञों ने कुछ ऐसी ही जानकारी दी। एक्सपर्ट का कहना है कि लिखने की हैबिट से बच्चे पढ़ा हुआ कभी नहीं भूलते, खुद के बनाए नोट्स से याद किए आंसर हमेशा याद रहते हैं। ऐसे में इस समय बच्चे घर में कुछ घंटे स्कूल जैसा ही बिताएँ, जिसमें ये रेगुलर बैठकर पढ़ाई करें। (आर-6)

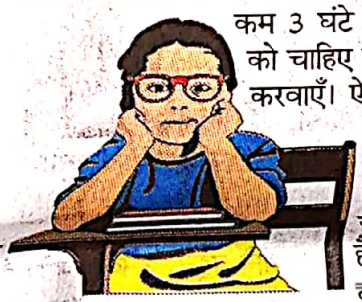

3 घंटे रोज लगे अब क्लास

विषय-विशेषज्ञ पायल चौरसिया ने बताया कि स्कूल बंद हैं ऐसे में जरूरी है कि घर पर 3 घंटे बच्चे बैठकर पढ़ाई करें। नर्सरी से लेकर चौथी और पाँचवीं के बच्चों को सामने बैठाकर पढ़ाना जरूरी है। क्योंकि अभी अगर इनकी सिटिंग हैबिट बिगड़ी तो स्कूल खुलने के बाद बच्चों को लगातार बैठने में परेशानी होगी। इसकी जवाबदारी अब मदर को ही लेनी होगी।

होमवर्क को करें वॉच

मनोविशेषज्ञ डॉ. रजनीश जैन का कहना है कि स्कूल से जो होमवर्क मिल रहा है, वह बच्चे कर रहे हैं या नहीं ये प्रतिदिन देखें। नहीं तो अपने सामने करवाएँ। बच्चों से बोलें की आज इस विषय का यह चैप्टर पूरा करना है। बच्चों को कुछ घंटे का समय दें, उन्हें कहें की इस टाइम के अंदर चैप्टर पढ़कर पूरा करना है।

प्रोजेक्ट सामने रहकर बनवाएँ

इस समय बच्चों को स्कूल से प्रोजेक्ट मिल रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि मदर टीचर का रोल प्ले करें और सामने रहकर प्रोजेक्ट बनवाएँ। ऐसे में बच्चों की स्पीड बनी रहेगी और खुद के बनाए प्रोजेक्ट पर वे बेहतर प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेंगे।

टेस्ट लें और कॉपी चैक करें

इस समय मदर ही बच्चों के लिए टीचर हैं। ऐसे में एक हफ्ते में बच्चा जो भी पढ़ रहा है या जो विषय उसे पढ़ा रहे हैं उसका हफ्ते के एंड में टेस्ट लें। ऐसा करने से बच्चे की राइटिंग स्पीड बनी रहेगी और हैंडराइटिंग भी अच्छी रहेगी।

कुछ जरूरी बातें

» छोटे बच्चों को प्रतिदिन पेन्सिल से राइटिंग वर्क करवाएँ।

» लाइन वाले पेपर पर लिखवाएँ ताकि राइटिंग व्यवस्थित रहे।

» लिखने की स्पीड का ध्यान रखें।

» किसी भी टॉपिक पर रोज दो से तीन पेज लिखवाएँ।

» हफ्ते में एक बार रिटन टेस्ट लें, कॉपी चैक करें और देखें कहाँ गलत किया है।

बच्चों के स्टडी टाइम की फोटोज हो रहीं शेयर

मराठी ज्येष्ठ नागरिक महामण्डल द्वारा नाति-नातिनों एवं पोते-पोतियों को किया जा रहा प्रोत्साहित

कोविड-19 की वजह से बच्चों की ऑनलाइन स्टडी चल रही है। बच्चों की मस्ती भरी क्लासेस अब घर पर ही लगती हैं। बच्चे भी टाइम से अपनी ऑनलाइन क्लासेस ज्वॉइन कर लेते हैं। इस तरह की सारी एक्टिविटीज दादा-दादी और नाना-नानी को भी लुभा रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए मराठी ज्येष्ठ नागरिक महामण्डल के सीनियर सिटीजन्स ने नाती-नातिनों व पोते-पोतियों के ऑनलाइन स्टडी के फोटो शूट शेयरिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। फोटो में बच्चों की ऑनलाइन स्टडी की फोटो ली जाती है और उसे ग्रुप पर शेयर करते हैं। इसमें बच्चों के बैठने का पॉश्चर, टाइम और बच्चों की एकाग्रता पर भी चर्चा होती है।आर-1

सीनियर सिटीजन्स का भी मनोरंजन

क्लब के सदस्य उदय देशमुख ने बताया कि यह प्रोग्राम सीनियर सिटीजन्स को बिजी रखने और उनके मनोरंजन के लिए रखा गया है। इससे सभी बच्चों से मिल भी लेते हैं। इस गेम का रूल है कि बच्चों की फोटो उनके स्टडी टाइम की होनी चाहिए। इससे उनकी रुचि भी देखने को मिल जाती है। सीनियर सिटीजन्स का मनोरंजन भी होता रहता है। पी-3

Scanned with CamScanner